



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 275]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 19, 2016/चैत्र 30, 1938

No. 275]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 19, 2016/CHAITRA 30, 1938

वित्त मंत्रालय

(रक्षोपाय महानिदेशक)

(सीमाशुल्क और केंद्रीय उत्पाद कर)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2016

रक्षोपाय जांच शुरू करने का नोटिस

[सीमा शुल्क प्रशुल्क (रक्षोपाय शुल्क की पहचान एवं उसका आकलन) नियमावली, 1997 के अंतर्गत]

विषय: अनरॉट एल्यूमिनियम (अलोय और गैर-अलोय एल्यूमिनियम) के भारत में आयातों से संबन्धित रक्षोपाय जांच की शुरुआत।

सा.का.नि. 431(अ).—सीमा शुल्क प्रशुल्क (रक्षोपाय शुल्क की पहचान एवं उसका आकलन) नियमावली, 1997 के नियम 5 के अंतर्गत मेरे समक्ष (i) मै. वेदांता लिमिटेड – एल्यूमिनियम एवं पावर, भुरकामुंडा, जिला झारसूगुडा-768202, उड़ीसा (ii) मै. भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड, एल्यूमिनियम सदन, कोर-6, स्कोप ऑफिस कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 एवं (iii) मै. हिंडालको इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड, सेंचूरी भवन, तीसरी मंज़िल, डॉ. एनी बेसेंट रोड, वर्ली, मुंबई-400030 द्वारा एल्यूमिनियम एवं इसके उत्पादों के वर्धित आयातों से घरेलू उत्पादकों को हुई गंभीर क्षति/ खतरों से एल्यूमिनियम एवं इसके उत्पादों के घरेलू उत्पादकों की रक्षा के लिए एल्यूमिनियम एवं इसके उत्पादों के भारत में आयातों पर रक्षोपाय शुल्क अधिरोपित करने के लिए आवेदन दिया गया है।

2. **घरेलू उद्योग:** (i) मै. वेदांता लिमिटेड – एल्यूमिनियम एवं पावर, (ii) मै. भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड एवं (iii) मै. हिंडालको इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से एल्यूमिनियम एवं इसके उत्पादों के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क के अधिरोपण हेतु आवेदन दिया गया है। आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए अद्यतन आंकड़ों एवं आवेदन पत्र के अवलोकन पर यह देखा गया कि आवेदक, अनरॉट एल्यूमिनियम (अलोय और गैर-अलोय एल्यूमिनियम) जो कि भारत में टैरिफ शीर्ष 7601 के अधीन है, के कुल उत्पादन का 50% से अधिक के जिम्मेदार है। अतः आवेदकों को अनरॉट एल्यूमिनियम (अलोय और गैर-अलोय एल्यूमिनियम) के उत्पादन के घरेलू उद्योग के रूप में माना जा सकता है।

3. **सम्बद्ध उत्पाद:** विचाराधीन उत्पाद अनरॉट एल्यूमिनियम (अलोय और गैर-अलोय एल्यूमिनियम) (जिसे यहाँ इसके बाद “पीयूसी” कहा गया है, को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 76 के सीमा शुल्क उपशीर्ष संख्या 7601 के अधीन वर्गीकृत किया गया है।

4. **जांच की अवधि (पीओआई):** विचाराधीन उत्पाद के वर्धित आयात के कारण के घरेलू उत्पादकों को हुई गंभीर क्षति/खतरों पर आधारित वर्तमान आवेदन एक नया मामला है। मामले में जांच की अवधि को वर्ष 2011-12 से 2015-16 (वार्षिक) तक लिया गया है।

5. **सूचना का स्रोत:** विचाराधीन उत्पाद हेतु जनवरी, 2016 तक के आयात आंकड़े निर्यात आयात डाटा बैंक, वाणिज्य मंत्रालय, (<http://www.commerce.nic.in/eidb/icomq.asp>) से लिए गए हैं एवं 2011-12 से 2015-16 तक के घरेलू आंकड़े आवेदकों द्वारा दिए गए हैं एवं उनको एक्साइज रिकॉर्ड्स से सत्यापित किया गया है एवं उन पर विश्वास किया गया है तथा विश्लेषण हेतु इनको ध्यान में रखा गया है।

6. **वर्धित आयात:** भारत में पीयूसी के आयात में पर्याप्त वृद्धि देखी गई है। अलोय और गैर-अलोय एल्यूमिनियम के आयातों से संबन्धित डाटा 2011-2012 से इस प्रकार है:

वित्तीय वर्ष	कुल आयात (एमटी)	अनुक्रमणित आयात
2011-12	242533	100
2012-13	308279	127
2013-14	348889	144
2014-15	343428	142
2015-16 (अप्रैल-जनवरी, 2016)	360308	
2015-16 (वार्षिक)	432370	178

यह देखा गया है कि विचाराधीन उत्पाद के आयात में क्षति अवधि के दौरान पर्याप्त वृद्धि हुई है। वर्ष 2011-12 में आयात 242533 एमटी से 2015-16 (वार्षिक) तक 432370 तक बढ़ा है एवं 78% की वृद्धि दर्ज की गई है।

7. **घरेलू उद्योगों को गंभीर क्षति:** आवेदकों (जिनको इसके पश्चात डीआई कहा गया है) ने दावा किया है की पीयूसी के वर्धित आयात से पीयूसी के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है एवं गंभीर क्षति होने की संभावना है। घरेलू उद्योगों को गंभीर क्षति होने की आशंका के अपने मामले के समर्थन में उन्होंने विभिन्न निष्पादन मापदंडों से संबंधित आंकड़े दिए हैं जिनका विश्लेषण किया गया है और ये निम्नानुसार वर्णित किए गए हैं:

क) डीआई का उत्पादन: डीआई के घरेलू उत्पादन के आंकड़े जांच अवधि के दौरान निम्नानुसार दर्शाए गए हैं :

वित्तीय वर्ष	उत्पादन (एमटी)	अनुक्रमणित उत्पादन
2011-12	887286	100
2012-13	931776	105
2013-14	1051100	118
2014-15	1353271	153
2015-16	1563639	176

यह पाया गया है कि घरेलू उत्पादकों का विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन जांच-अवधि के दौरान बढ़ा है।

ख) कुल उत्पादन की तुलना में वर्धित आयात: पीयूसी को भारत में कई देशों से एवं मुख्यतः चीन, यू.ए.ई, सऊदी अरब, मलेशिया, रूस, दक्षिण अफ्रीका, ओमान, कतर, बहरीन एवं थाइलैंड से आयात किया जाता है। हालांकि पीयूसी के आयात में वास्तविक मदों में वृद्धि हुई है, कुल उत्पादन की तुलना में उनका हिस्सा कमोबेश वैसा ही रहा है जैसा कि वित्तीय वर्ष 2011-12 से 2015-16 (वार्षिक) के दौरान पीयूसी का आयात एवं उत्पादन संबंधी आंकड़ों से निम्नानुसार देखा जा सकता है:

वित्तीय वर्ष	कुल आयात (एमटी)	अखिल भारतीय उत्पादन(एमटी)	उत्पादन के संबंध में आयात में वृद्धि (प्रतिशत में)
2011-12	242533	1927464	13
2012-13	308279	2073367	15
2013-14	348889	2088900	17
2014-15	343428	2549372	13
2015-16	432370 (वार्षिक)	2818978	15

2011-12 में 2,42,533 एमटी से 2015-16 में 4,32,370 (वार्षिक) एमटी तक आयात में वास्तविक मदों में वृद्धि हुई है जोकि लगभग 78% की वृद्धि दर्शाता है। कुल उत्पादन के प्रतिशत के रूप में आयात 2011-12 में 13% था एवं यह 2015-16 में 15% तक बढ़ा है।

(ग) मार्केट शेयर एवं बिक्री के स्तरों में परिवर्तन: एमटी में

वित्तीय वर्ष	आयात	घरेलू उद्योग (डीआई) की बिक्री	सीमित उपभोग	अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	कुल मांग	मार्केट शेयर का प्रतिशत			अन्य
						आयात	डीआई (सीमित उपभोग के अलावा)	डीआई (सीमित उपभोग सहित)	
2011-12	242533	636917	443811	945192	2268453	11	28	48	42
2012-13	308279	718198	567975	997410	2591862	12	28	50	38
2013-14	348889	671085	618920	940006	257900	14	26	50	36
2014-15	343428	670398	605452	1134836	2754114	12	24	46	41
2015-16	432370*	893565	537977	1063907	2927819	15	31	49	36

*(वार्षिक)

2011-12 से 2015-16 की अवधि के दौरान उत्पाद की मांग बढ़ी है। आयात का मार्केट शेयर 2011-12 में 11% से 2015-16 में 15% तक बढ़ा है। इसी अवधि के दौरान उत्पादन क्षमता जिसमें वृहद पूंजी निवेश शामिल है, में वृद्धि के पर्याप्त स्तर के बावजूद घरेलू उद्योग का शेयर मात्र 28% से 31% हुआ है। सीमित उपभोग के साथ गणना करते समय घरेलू उद्योग का शेयर 50% तक स्थिर रहा।

(घ) क्षमता उपभोग: संस्थापित क्षमता में अन्य टैरिफ शीर्ष के उत्पाद ही शामिल है। तथापि क्षमता उपभोग की गणना टैरिफ शीर्ष 7601 के वास्तविक उत्पादन के संबंध में की गई है। बढ़े हुए आयात से घरेलू उत्पादकों की उत्पादन क्षमता के पर्याप्त निष्क्रियता में फलित हुई है जैसा कि नीचे दी गई सारणी में देखा जा सकता है:-

वित्तीय वर्ष	संस्थापित क्षमता(एमटी में)	उत्पादन (एमटी में)	क्षमता उपभोग (% में)
2011-12	2325096	887286	38
2012-13	2317954	931776	40
2013-14	2557393	1051100	41
2014-15	2904841	1353271	47
2015-16	3258465	1563639	48

(ड) लाभ/हानि: घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में वर्तमान वर्ष (2015-16) में गिरावट आई है एवं घरेलू उद्योग वित्तीय नुकसान झेल रहे हैं। इसे निम्न तालिकानुसार देखा जा सकता है:

वित्तीय वर्ष	लाभप्रदता: घरेलू लाभ (रूपये लाख में) ((अनुक्रमणित)
2011-12	100
2012-13	39
2013-14	7
2014-15	89
2015-16 (वार्षिक)	(275)

(च) इवेंटरी: घरेलू उद्योग की इवेंटरी के आंकड़े निम्नानुसार हैं:

वित्तीय वर्ष	अनुक्रमणिका
2011-12	100
2012-13	53
2013-14	46
2014-15	97
2015-16	49

यह पाया गया है कि इवेंटरी के स्तर बदलते रहे हैं एवं 2014-15 से 2015-16 के बीच घटे हैं।

(छ) उत्पादकता एवं रोजगार: वर्धित क्षमता के साथ-साथ रोजगार के स्तर में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2011-12 से 2015-16 की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग उत्पादकता में सुधार करने में सक्षम रहा है:

वित्तीय वर्ष	उत्पादन (एमटी में)	प्रतिदिन उत्पादकता (एमटी में)	रोजगार (अनुक्रमणित)
2011-12	887286	2535	100
2012-13	931776	2662	95
2013-14	1051100	3003	112
2014-15	1353271	3866	111
2015-16	1563639	4468	105

8. घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में भारत में अनरॉट एल्यूमिनियम (अलुमिनीयम और गैर-अलुमिनीयम) के आयात पर 4 वर्षों की अवधि के लिए तत्काल रक्षोपाय शुल्क अधिरोपित करने के लिए अनुरोध किया है। उन्होंने इस विचाराधीन उत्पाद के वर्धित आयात के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को उनके निष्पादन में प्रपाती गिरावट के मद्देनजर अनंतिम रक्षोपाय शुल्क के अधिरोपण हेतु भी अनुरोध किया है।

9. विभिन्न आर्थिक मानदंडों पर आवेदन की जांच करने पर यह देखा गया है कि उत्पादकता में सुधार के बावजूद इस विचाराधीन उत्पाद [अनरॉट एल्यूमिनियम (अलुमिनीयम और गैर-अलुमिनीयम)] के वर्धित आयात से इस विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादकों को वास्तविक मदों में प्रथम दृष्टया गंभीर क्षति कारित की है अथवा गंभीर क्षति की आशंका उत्पन्न कर दी है और तदनुसार इस नोटिस के जरिए एक जांच की शुरुआत करने का निश्चय किया गया है।

10. सभी इच्छुक पक्ष इस नोटिस की तारीख से 30 दिनों की अवधि के अंदर अपने विचारों से निम्नलिखित को अवगत करा सकते हैं:

महानिदेशक (रक्षोपाय)
भाई वीर सिंह साहित्य सदन, द्वितीय तल,
भाई वीर सिंह मार्ग,
गोल मार्किट, नई दिल्ली-110 001,
भारत
दूरभाष: 011-23741537
फैक्स: 011-23741542
ई-मेल: dgsafeguards@nic.in

11. सभी ज्ञात इच्छुक पक्षों को भी अलग से सूचित किया जा रहा है।
12. इस जांच से संबंधित कोई अन्य पक्ष, जो यह चाहता है कि उसे इच्छुक पक्ष के रूप में माना जाए, भी अपना अनुरोध इस तरह से भेज सकता है कि वह इस नोटिस की तारीख से 15 दिनों के अंदर उपर्युक्त पते पर महानिदेशक (रक्षोपाय) के पास पहुंच जाए।

[फा. सं. डी-22011/10/2016/भाग-II]

विनय छाबड़ा, महानिदेशक

MINISTRY OF FINANCE
(DIRECTORATE GENERAL OF SAFEGUARDS)
(Customs and Central Excise)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2016

NOTICE OF INITIATION OF A SAFEGUARD INVESTIGATION

[Under Rule 6 of the Custom Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997]

Sub: Initiation of Safeguard Investigation concerning Imports of “Unwrought Aluminum (Aluminium not alloyed and Aluminium alloys)” into India.

G.S.R. 431(E).—An application has been filed before me under Rule 5 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997, by (i) M/s. Vedanta limited –Aluminium & Power, Bhurkamunda, Distt. Jharsuguda-768202, Odisha (ii) M/s Bharat Aluminium Company Ltd, Aluminium Sadan, Core-6, Scope Office Complex, Lodi Road, New Delhi-110003 and (iii) M/s Hindalco Industries Limited, Century Bhavan, 3rd Floor, Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai 400030 for imposition of Safeguard Duty on imports of “Unwrought Aluminum (Aluminium not alloyed and Aluminium alloys)” into India to protect the domestic producers of “Unwrought Aluminum (Aluminium not alloyed and Aluminium alloys)” against serious injury /threat of serious injury caused by the increased imports of “Unwrought Aluminum (Aluminium not alloyed and Aluminium alloys).”

2. Domestic Industry: The application has been jointly filed by (i) M/s. Vedanta limited –Aluminium & Power, (ii) M/s Bharat Aluminium Company Ltd and (iii) M/s Hindalco Industries Limited for imposition of Safeguard Duty on imports of “Unwrought Aluminium”. On perusal of the application and latest data provided by the Applicants it is seen that the applicants account for more than 50% of the total production of “Unwrought Aluminum (Aluminium not alloyed and Aluminium alloys)” falling under Tariff Heading 7601 in India and hence, the applicants qualify as Domestic Industry in the product “Unwrought Aluminium (Aluminium not- alloyed and Aluminium alloy)” .

3. Product Involved: The product under consideration Unwrought Aluminium (Aluminium not alloyed and Aluminium alloys) (hereinafter referred to as PUC) is classified under Customs Tariff Heading No.7601 of Chapter 76 of the Customs Tariff Act 1975.

4. Period of investigation (POI): Present application is based on serious injury /threat of serious injury to domestic industry caused by increased import of PUC. The Period of Investigation in the case has been taken from 2011-12 onwards till 2015-16 (Annualised).

5. Source of information: The import data till January, 2016 for the product under consideration has been taken from Export Import Data Bank, Ministry of Commerce (<http://www.commerce.nic.in/eidb/icomq.asp>) and the domestic data from 2011-12 to 2015-16 has been submitted by the applicant and the same has been verified from the excise records and taken into consideration for analysis.

6. Increased Imports: Imports of PUC into India have shown significant increase. The data relating to imports of Unwrought Aluminium (alloyed and not alloyed) from 2011-2012 onwards is as under:

Financial Year	Total Import (MT)	Import Indexed
2011-12	242533	100
2012-13	308279	127
2013-14	348889	144
2014-15	343428	142
2015-16 (April - Jan, 2016)	360308	
2015-16 (Annualized)	432370	178

It is seen that in the imports of the PUC there is a substantial increase during the injury period. The imports have increased from 2,42,533 MT in 2011-12 to 4,32,370 MT till 2015-16 (Annualized.) recording an increase of 78%.

7. Serious Injury to the Domestic industry: The applicants (hereinafter referred to as DI) have claimed that the increased imports of PUC have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of PUC. To support their case of the threat of serious injury to the domestic industry they have supplied the data with regard to various performance parameters and the same has been analysed as detailed below:

a) Production of DI: The figures of domestic production of DI during the period of investigation are as shown below:

Financial Year	Production (MT)	Production Indexed
2011-12	887286	100
2012-13	931776	105
2013-14	1051100	118
2014-15	1353271	153
2015-16	1563639	176

It is observed that the production of PUC of the DI has increased over the investigation period.

b) Increased Imports w.r.t total production: PUC is imported into India from a number of countries, and mainly from UAE, Malaysia, Russia, South Africa, Oman, Qatar, Baharain, and Thailand. Though the imports of PUC have increased in absolute terms, their share when compared to the total production has more or less remained the same as is seen from the import and production data of PUC during the financial year 2011-12 to 2015-16 (Annualized) as under:

Financial Year	Total Imports (MT)	All India Production (MT)	Percentage of import with respect to all India production
2011-12	242533	1927464	13
2012-13	308279	2073367	15
2013-14	348889	2088900	17
2014-15	343428	2549372	13
2015-16	432370 (Annualised)	2818978	15

The Imports in absolute terms have increased from 2,42,533 MT in 2011-12 to 4,32,370 MT in 2015-16 (Annualised) which shows an increase of approximately 78%. The import as a percentage of total production was 13 % in 2011-12 and it has increased to 15% in 2015-16.

c) Market Share & Changes in levels of Sales:

(In MT)

Financial Year	Import	Sales of Domestic Industry (DI)	Captive consumption	Sales of other Indian Producers	Total Demand	% of Market Share			
						Import	DI(excluding captive)	DI (including captive consumption)	Others
2011-12	242533	636917	443811	945192	2268453	11	28	48	42
2012-13	308279	718198	567975	997410	2591862	12	28	50	38
2013-14	348889	671085	618920	940006	2578900	14	26	50	36
2014-15	343428	670398	605452	1134836	2754114	12	24	46	41
2015-16	432370*	893565	537977	1 063907	2927819	15	31	49	36

*(Annualised)

During the period 2011-12 to 2015-16 the demand of the product has increased. The market share of import has increased from 11% in 2011-12 to 15% in 2015-16. During the same period the share of domestic industry only increased from 28% to 31% despite a significant level of increase in production capacities involving large capital investment. When calculated along with captive consumption, the share of DI remained stagnant at close to 50%.

d) Capacity Utilization: The installed capacity includes products of other tariff headings also. However, the capacity utilisation has been calculated with regard to actual production of Tariff heading 7601. The increasing imports are resulting in significant idling of production capacity of the domestic producers as can be seen in the Table below:

Financial Year	Installed Capacity (MT)	Production (MT)	Capacity Utilisation (%)
2011-12	2325096	887286	38
2012-13	2317954	931776	40
2013-14	2557393	1051100	41
2014-15	2904841	1353271	47
2015-16	3258465	1563639	48

e) Profit/loss –The profitability of the domestic industry has deteriorated in the recent year (2015-16) and the domestic industry is now suffering financial losses. This is seen from the table below:-

Financial Year	Profitability: Domestic profit (Rs. Lacs) (Indexed)
2011-12	100
2012-13	39
2013-14	7
2014-15	89
2015-16 (Annualized)	(275)

f) Inventories –The figures of inventories with the domestic industry are as shown below:

Financial Year	Index
2011-12	100
2012-13	53
2013-14	46
2014-15	97
2015-16	49

It is observed that the inventory levels have fluctuated and have decreased between 2014-15 to 2015-16.

g) Productivity & Employment: There is increase in the level of employment keeping in tandem with increasing capacity. During the period 2011-12 to 2015-16, the domestic industry has been able to improve the productivity.

Financial Year	Production (MT)	Productivity per day (MT)	Employment (Indexed)
2011-12	887286	2535	100
2012-13	931776	2662	95
2013-14	1051100	3003	112
2014-15	1353271	3866	111
2015-16	1563639	4468	105

8. The DI has requested in their application for immediate imposition of Safeguard duty on imports of **alloyed and not alloyed unwrought Aluminium** into India for a period of four years. They have also requested for imposition of provisional Safeguard duty in view of the steep deterioration in performance of the domestic industry as a result of increased imports of the product under consideration.

9. After examining the application on different economic parameters, it is seen that *prima facie*, despite improvement in productivity, increased imports of PUC (**alloyed and not alloyed unwrought Aluminium**) in **absolute term have caused losses to the domestic industry** and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of the PUC and as such it has been decided to initiate an investigation in the matter through this notice.

10. All interested parties may make their views known within a period of 30 days from the date of this notice to:

The Director General (Safeguards)
Bhai Vir Singh Sahitya Sadan; 2nd Floor,
Bhai Vir Singh Marg,
Gole Market, New Delhi-110 001,
India.
Telephone: 011- 23741537
FAX: 011-23741542
E-mail: dgsafeguards@nic.in

11. All known interested parties are also being addressed separately.

12. Any other party to the investigation who wishes to be considered as an interested party may submit its request so as to reach the Director General (Safeguards) on the aforementioned address within 15 days from the date of this notice.

[F. No. D-22011/10/2016/Pt-II]

VINAY CHHABRA, Director General